

झबोदरी स्त्री. (तत्.) मत्स्यगंधा, व्यास जी की माता।

झम स्त्री. (अनु.) 'छम्म' 1. टकराने या आघात लगने पर किसी धातु-पात्र के ढेर तक छन्नछन्नाने की ध्वनि विशेष 2. तेज वर्षा की ध्वनि।

झमक स्त्री. (देश.) 1. रुक-रुक कर होने वाली तेज प्रकाश की चमक जैसे- बिजली की चमक 2. झमकने की क्रिया या भाव 3. व्यक्ति की ठसक, ऐंठ या अकड़ 4. ठसक वाली चाल।

झमकना अ.क्रि. (अनु.) 1. 'झम-झम' ध्वनि होना 2. तेजी से ध्वनि करते हुए चले आना 3. अकड़ या ऐंठ दिखाना 4. अचानक सामने आ जाना 4. चमकना, प्रकाश की किरणें फैकना।

झमकाना स.क्रि. (देश.) 1. पलकों का गिरना 2. आँखे झपकाना।

झमकारा वि. (देश.) चमक या झमक दिखलाता हुआ, झमकने वाला 3. बरसने की स्थिति वाला बादल।

झमकीला वि. (देश.) झमक दिखता हुआ, चमक या झमक वाला 2. ऐंठ या अकड़ दिखाने वाला।

झमझम क्रि.वि. (देश.) 1. चमक-दमक के साथ, चमक-दमक युक्त 2. झम-झम करते हुए प्रयो. आज तो झमाझम वर्षा हो रही थी।

झम-झम स्त्री. (अनु.) घुंघुआँ के जोर से बजने की आवाज 2. छम-छम की ध्वनि।

झमझमाना स.क्रि. (अनु.) 1. चमचमाना 2. झमझम की ध्वनि करना 3. रोमांचित होना।

झमझमाहट स्त्री. (अनु.) 1. चमचमाहट 2. भारी चमक-दमक 3. झम-झम शब्द की ध्वनि की स्थिति या भाव।

झमना स.क्रि. (देश.) 1. नम्र हो जाना, झुकना 2. पलकें झपकना 3. इकट्ठे होकर झूम जाना 4. दबना।

झमा पुं. (देश.) 1. सिर चकराने की स्थिति या दशा, चक्कर 2. पिघलकर ढेर हो जाना।

झमाट पुं. (देश.) दे. झुरमुट।

झमाना अ.क्रि. (अनु.) 1. उत्तेजना शांत कर देना, झुका देना 2. गिराना 3. घेरना, छा जाना।

झमारना स.क्रि. (देश.) जल से भर देना, झाँवर कर देना।

झमाल पुं. (देश.) 1. इंद्रजाल 2. एक प्रकार का डिंगल गीत।

झमेला पुं. (देश.) झंझट, झगड़ा, बखेड़ा।

झमेलिया वि. (देश.) झगड़ा करने वाला, झंझटी, बखेड़ा करने वाला।

झर स्त्री. (तद्.) 1. झड़ी 2. निर्झर, झरना, पानी गिरने का स्थान 3. लगातार वर्षा 4. ताप, ज्वाला, आँच 5. ताले का कुत्ता 6. झुंड या समूह।

झरक स्त्री. (देश.) दे. झलक।

झरकना अ.क्रि. (देश.) दे. झलकना।

झरका स्त्री. (देश.) झलक।

झरकुट पुं. (देश.) 1. तोड़-मरोड़ कर डाला हुआ सूखा पदार्थ 2. तोड़-ताड़ कर डाला हुआ पदार्थ वि. तोड़-मरोड़ कर डाला हुआ स.क्रि. झुरकुट करना या उड़ा देना, तोड़-ताड़ कर डाल देना।

झर-झर स्त्री. (अनु.) 1. वर्षा की झड़ी लगने की ध्वनि 2. तेज हवा के चलने या उसके किसी वस्तु से टकराने की स्थिति, झरने का पानी या आँसू टपकने की स्थिति (ध्वनि)।

झरझराना अ.क्रि. (अनु.) 1. झर-झर करते हुए गिरना 2. काँप उठना, कंपित होना।

झरना अ.क्रि. (तद्.) 1. झड़ना 2. ऊँचे स्थान से पानी गिरना पुं. ऊँचे स्थान से गिरने वाला जल या प्रवाह, चश्मा, झरना, निर्झर।

झरनी वि. (देश.) झरने वाली।

झरप स्त्री. (देश.) 1. झाँका, झकोर 2. आग की हलकी-हलकी तपन 3. झड़प।